भारत सरकार
संस्कृति मंत्रालय

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 109
उत्तर देने की तारीख 21.07.2025

देश की सांस्कृतिक विविधता का संवर्धन और संरक्षण

109. श्री नवीन जिंदल :

क्या संस्कृति मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) विभिन्न क्षेत्रों और समुदायों की भाषाओं, परंपराओं और रीति-रिवाजों सहित देश की सांस्कृतिक विविधता के संवर्धन और संरक्षण के लिए उठाए गए कदमों का ब्यौरा क्या है;

(ख) सरकार किस प्रकार सांस्कृतिक नीतियों और कार्यक्रमों में विविध विचारों और दृष्टिकोणों को शामिल करना सुनिश्चित कर रही है;

(ग) क्या सरकार की हाशिए पर रहने वाले समुदायों और स्थानीय आबादी की सांस्कृतिक प्रथाओं की सहायता करने के लिए लक्षित कोई विशिष्ट कार्यक्रम या पहल है और यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है; और

(घ) सांस्कृतिक पहचान के आधार पर भेदभाव और पूर्वाग्रह के मुद्दे को दूर करने के लिए सरकार द्वारा उठाए गए/ उठाए जा रहे उपायों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री
(गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क): भारत सरकार ने संस्कृति मंत्रालय और उसके स्वायत्त निकायों के माध्यम से देश की सांस्कृतिक विविधता को संवर्धित और परिरक्षित करने के लिए विभिन्न क्षेत्रों और समुदायों की सांस्कृतिक धरोहर, कलाओं, भाषाओं, पर्वों और परंपराओं के क्षेत्र में कई पहल की हैं।

संस्कृति मंत्रालय के क्षेत्रीय सांस्कृतिक केंद्र (जेडसीसी) पूरे देश में फैले हुए हैं। ये जेडसीसी अपने संबंधित क्षेत्र की क्षेत्रीय कला, संस्कृति और परंपरा को बढ़ावा देते हैं।

संस्कृति मंत्रालय विभिन्न संस्कृतियों और परंपराओं को बढ़ावा देने और संरक्षित करने के लिए स्कीमें संचालित करता है, पुरस्कार और अनुदान प्रदान करता है, कार्यक्रम आयोजित करता है और उत्सव मनाता है।

मंत्रालय द्वारा संचालित कुछ प्रमुख स्कीमें इस प्रकार हैं: कला और संस्कृति के संवर्धन हेतु वित्तीय सहायता की स्कीम रेपर्टरी अनुदान, कला को बढ़ावा देने के लिए छात्रवृत्ति और अध्येतावृत्ति स्कीम, संग्रहालय अनुदान स्कीम और अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की संरक्षा हेतु स्कीम।

संस्कृति मंत्रालय के अधीन संग्रहालय, जो कालातीत सांस्कृतिक स्थल की भूमिका भी निभाते हैं, परंपराओं और रीति-रिवाजों का संरक्षण सुनिश्चित करने के लिए विषयगत प्रदर्शनियाँ, अंतरराष्ट्रीय सहयोग और दीर्घाओं तथा डिजिटलीकरण प्रयासों के माध्यम से प्रतिनिधित्व करते हैं।

मंत्रालय अपने स्वायत्त निकायों के माध्यम से साहित्य अकादमी पुरस्कार, संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार, ललित कला अकादमी पुरस्कार, उस्ताद बिस्मिल्लाह खान युवा पुरस्कार जैसे पुरस्कार प्रदान करता है। साहित्य अकादमी द्वारा 24 भारतीय भाषाओं में प्रकाशित साहित्यिक गुणों से युक्त उत्कृष्ट पुस्तकों को अनुवाद पुरस्कार प्रदान किया जाता है। अपनी पहुँच को बढ़ाने के लिए, साहित्य अकादमी अपने द्वारा मान्यता प्रदत्त भाषाओं के अलावा अन्य भाषाओं में भी भाषा सम्मान प्रदान करती है।

(ख): सरकार विभिन्न भाषाई, क्षेत्रीय और सामाजिक पृष्ठभूमि के विशेषज्ञों, विद्वानों और व्यवसायिकों के प्रतिनिधित्व के माध्यम से सांस्कृतिक कार्यक्रमों, आयोजनों में विविध विचारों और दृष्टिकोणों का समावेश सुनिश्चित करती है।

(ग): भारत सरकार, जनजातीय कार्य मंत्रालय के माध्यम से केंद्र सरकार द्वारा प्रायोजित स्कीम" जनजातीय अनुसंधान संस्थानों (टीआरआई) को सहायता" के अंतर्गत राज्यों द्वारा प्रस्तुत वार्षिक कार्य योजना के आधार पर राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों में 29 जनजातीय अनुसंधान संस्थानों को वित्तीय सहायता प्रदान करती है। इस स्कीम के अंतर्गत, अवसंरचनात्मक आवश्यकताओं से संबंधित प्रस्तावों, अनुसंधान एवं प्रलेखन कार्यकलापों, जनजातीय उत्सवों एवं विशिष्ट सांस्कृतिक विरासत के संवर्धन हेतु यात्राओं के आयोजन का परिरक्षण एवं प्रसार किया जाता है।

(घ): सरकार लुप्त प्राय कला-रूपों के संरक्षण हेतु अनेक उपाय करती है, साथ ही अपनी स्कीमों, उत्सवों और अकादमियों, क्षेत्रीय सांस्कृतिक केंद्रों द्वारा आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से इन समस्याओं का समाधान भी करती है।

- साहित्य अकादमी ने मौखिक एवं जनजातीय संस्कृति एवं साहित्य के संरक्षण एवं संवर्धन हेतु अगरतला और दिल्ली में दो केंद्र स्थापित किए हैं।
- भारतीय संग्रहालय, कोलकाता विभिन्न व्यक्तियों का सम्मान करने और परस्पर आदर-भाव को बढ़ावा देने के लिए प्रतिवर्ष जनजातीय गौरव दिवस मनाता है।
- संगीत नाटक अकादमी ने कला दीक्षा स्कीम के अंतर्गत देश भर में लुप्त हो रहे लगभग 100 पारंपरिक, लोक और जनजातीय मंच कला-रूपों में प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किए हैं।

*****